



विद्या भारती पूर्वी उ०प्र० Contact-9415888806

सरस्वतीकुञ्ज, निरालानगर, लखनऊ

E-mail-vidyabhartiupurviup@gmail.com

Website-vbeastup.org

लखनऊ । विद्या भारती पूर्वी उ०प्र० क्षेत्र के तात्वावधान में एक दिवसीय पूर्व छात्र परिषद सम्मेलन दिनांक-12-01-2019 को माधव सभागार निरालानगर, लखनऊ में सम्पन्न हुआ।

ज्ञातव्य हो कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में समाजिक, शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्र के नवनिर्माण में अनवरत् कार्यरत् है, इसी श्रृंखला में शनिवार को सरस्वतीकुञ्ज, निरालानगर, के माधव सभागार में विद्या भारती के विद्यालयों से शिक्षा ग्रहण कर चुके प्रदेश के भिन्न-भिन्न जिलों से स्वावलम्बी पूर्व छात्रों का प्रान्तीय सम्मेलन आयोजित किया गया। **कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा० डोमेश्वर साहू**, कार्यक्रम अध्यक्ष मा० इन्द्रमणि नगरआयुक्त लखनऊ महानगर एवं विशिष्ट अतिथि मा० हरेन्द्र श्रीवास्तव के करकमलों द्वारों सम्पन्न हुआ। अतिथि परिचय एवं स्वागत पूर्व छात्र व अधिवक्ता शैलेन्द्र शर्मा 'अटल' ने कराया जबकि कार्यक्रम का संचालन/संयोजन पूर्व छात्र अमित अग्रवाल ने किया। एकल गीत बहन माही शर्मा द्वारा प्रस्तुत हुआ। तत्पश्चात् इस अवसर पर बोलते हुए **मुख्य अतिथि डोमेश्वर साहू** ने कहा कि पूर्व छात्र भैया-बहिन हमारी धरोहर है जिनके द्वारा आज विद्या भारती के विद्यालयों की प्रतिष्ठा बढ़ी है। हमें विचार करना चाहिए कि हम क्या श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं जिसके द्वारा हमारा देश परम वैभव को प्राप्त कर सके। विद्या भारती एक राष्ट्रीय संगठन है जो पूरे देश में शिक्षा देने हेतु 25 हजार शिक्षा केन्द्रों का संचालन कर राष्ट्र की आने वाली युवा पीढ़ी का सर्वांगीण विकास हेतु सतत् संकल्पित है। श्री साहू ने कहा कि व्यक्ति निर्माण से शरीर मन, बुद्धि, आत्मा सबका विकास हो इस कारण पाठ्यक्रम में आधार भूत विषयों की रचना की गई। आज विद्या भारती के विद्यालयों से पढ़े भैया-बहिन देश ही नहीं वरन् सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न क्षेत्रों में अपना कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व छात्र-छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि हम अपनी वाणी कर्तव्य एवं संस्कार से हमारा व्यवहार प्रशंसनीय होना चाहिए। वर्तमान में पूर्व छात्रों की संख्या लगभग 25 लाख से ऊपर है। जो कि राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में मा० इन्द्रमणि त्रिपाठी नगर आयुक्त महानगर, लखनऊ ने कहा कि आज शिक्षा एक व्यवसाय बनकर रह गई है जिसमें संस्कार पक्ष की अत्यन्त न्यूनताएं हैं। इस अवसर पर प्रदेश निरीक्षक भारतीय शिक्षा समिति उ०प्र० राजेन्द्र बाबू, डॉ० शिवभूषण त्रिपाठी, राजकुमार सिंह, उमाशंकर मिश्र, दिनेश कुमार सिंह सहित विभिन्न जनपदों से आये पूर्व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

